



ई.टी.एफ. से आप क्या समझते हैं?

चर्चा में क्यों?

कुछ समय पहले सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में अपनी हस्तिसेदारी वनिरिदषिट करते हुए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (Exchange Traded Funds - ETFs) को बेचने की बजाय इन्हें अपने अधिकार में ही रखने का नरिणय कथिया गया है। इसी क्रम में हाल ही में एक नवीनतम पहल भारत 22 ई.टी.एफ. शुरू की गई है। यह एक ऐसा फंड है जिसमें 22 सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों शामिल हैं।

ई.टी.एफ. क्या है?

- एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध म्यूचुअल फंड होते हैं। इनकी खरीद-फरोख्त भी स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध शेयरों की भाँती ही की जाती है।
- इंडेक्स ई.टी.एफ. को संस्थागत नविशकों द्वारा एक इंडेक्स टोकरी में शेयरों की स्वैपिंग करके तैयार कथिया जाता है।
- ई.टी.एफ. केवल एक सूचकांक की प्रतलिपिबिनाता है और इसके प्रदर्शन को सही रूप से प्रतबिबिति करने की कोशशि करता है।
- ई.टी.एफ. में बाज़ार के समय के दौरान वास्तविक समय के आधार पर मौजूदा बाज़ार मूल्यों पर इन्हें खरीदा भी जा सकता है और बेच भी जा सकता है।
- ई.टी.एफ. के अंतरगत मूल रूप से केवल बाज़ार पर नज़र रखी जाती थी, परंतु हाल के वर्षों से इनके द्वारा वभिन्न परसिंपत्तविरगों को भी ट्रैक करने का काम कथिया जा रहा है।
- आजकल बहुत से लोकप्रथि ई.टी.एफ. द्वारा कस्टम-नरिमति इंडेक्सों को भी ट्रैक कथिया जाता है।
- ई.टी.एफ. की प्रभावशीलता को रटिर्न के अलावा, ट्रैकगि में होने वाली त्रुटि के माध्यम से भी मापा जाता है। ट्रैकगि में होने वाली त्रुटि के तहत इस बात पर भी ज़ोर दथिया जाता है कि ई.टी.एफ. द्वारा चुने हुए सूचकांक को कतिनी बारीकी से ट्रैक कथिया गया है।

भारत 22 ई.टी.एफ.

- हाल ही में पेश कथिया गए भारत 22 ई.टी.एफ. के अंतरगत सरकार को चयनति पी.एस.यू. में अपनी हस्तिसेदारी को ई.टी.एफ. के रूप में सुरकषति रखने की अनुमता दी गई है। इसके तहत सरकार वनिविश के माध्यम से नविशकों से पैसे जुटा सकती है।
- यह वशिष रूप से नरिमति एस.एंड.पी. बी.एस.ई. भारत 22 इंडेक्स को ट्रैक करने के लथि नरिमति कथिया गया है, जसि एशथिया इंडेक्स प्राइवेट लमिटिड द्वारा प्रबंधति कथिया जाता है।
- यह सूचकांक 22 पी.एस.यू. शेयरों सहति कुछ नजि क्षेत्र की कंपनियों से नरिमति है।
- ई.टी.एफ. का लकष्य 8000 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशा प्राप्त करना है।
- योजना की 25 प्रतशित यूनटि प्रतयेक श्रेणी के नविशकों को आवंटति की जाएगी।
- इस ई.टी.एफ. में रटायरमेंट फंड नविशकों को अलग श्रेणी में रख गया है। वसितार के मामले में खुदरा और रटायरमेंट फंडों को प्राथमकितता देते हुए इन्हें अतरिकित भाग का आवंटन कथिया जाएगा।
- सभी नविशकों के लथि 3 प्रतशित का डसिकाउंट होगा।
- सरकार द्वारा अरथव्यवस्था के 6 क्षेत्रों – वतित, उद्योग, ऊरजा, उपयोगति, उपभोक्ता सामान तथा बुनथिदी सामग्रथियों - में शेयर लथि गए हैं। यह सामंजस्य सूचकांक को व्यापक और वविधि बनाता है।
- सूचकांक घटकों में महारत्न और नौरत्न कंपनियों शामिल हैं जैसे – कोल इंडथिया, गेल, पावर ग्रडि कारपोरेशन ऑफ इंडथिया लमिटिड (पीजीसीआईएल), राषटरीय ताप वदियुत नगिम (एनटीपीसी), इंडथिन ऑयल कारपोरेशन, तेल और प्राकृतिक गैस (ओएनजीसी), भारत पेट्रोलथिम तथा राषटरीय एलुमनियम कंपनी (नालको), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक – भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बडोदा और उपरोक्त तीन नजि क्षेत्र की कंपनियों।

यह क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- ई.टी.एफ. लागत प्रभावी होते हैं। चूँकथि कोई स्टॉक (या सुरकषा वकिलप) नहीं बनाते हैं, इसलथि ये स्टार फंड मैनेजरस (star fund managers) की सेवाओं का उपयोग भी नहीं करते हैं।
- भारत में नफिटी 50 और सेंसेक्स 30 ई.टी.एफ. अपने नेट एसेट वैल्यू (एन.ए.वी.) के 0.05 से 1% तक का वार्षिक खर्च शुल्क लगाते हैं, जबकि सक्रथि रूप से प्रबंधति फंड एक साल में 2.5-3.25% का शुल्क लगाते हैं।
- लागतों के अलावा वर्तमान में वैश्विक नविशकों के बीच ई.टी.एफ. के संबंध में उत्साह की तीन वजहें और भी हैं।
- सर्वप्रथम, ई.टी.एफ. नविशकों को एक वविधि नविश पोर्टफोलथि की पेशकश करते हुए फंड मैनेजर द्वारा खराब सुरकषा के चयन के ज़ोखमि से बचने की अनुमता देता है।

- दूसरा कारण यह है कि इंडेक्स प्रदाताओं द्वारा न केवल सूचकांक के शेयरों का ध्यान से चयन किया जाता है बल्कि समय-समय पर पुनर्संतुलति भी किया जाता है।
- तथा तीसरा कारण यह है कि ई.टी.एफ. एक्सचेंजों के माध्यम से किसी भी समय तरलता की पेशकश करते हैं।

चिंता का कारण क्या है?

- विश्व स्तर पर ई.टी.एफ. की लोकप्रियता में काफी तेज़ी आई है। इसका प्रमुख कारण एक तो इनका शुल्क कम होना है और दूसरा इनकी सरल संरचना है।
- वस्तुतः पछिले कुछ समय से भारतीय ई.टी.एफ. का वसितार हो रहा है। वर्तमान में चार प्रकार के ई.टी.एफ. पहले से ही उपलब्ध हैं - इक्विटी ई.टी.एफ., डेब्ट ई.टी.एफ., कमोडिटी ई.टी.एफ. और ओवरसीज़ इक्विटी ई.टी.एफ.।
- भारतीय इक्विटी ई.टी.एफ. द्वारा नफ्टी 50, नफ्टी नेक्स्ट 50, सेंसेक्स 30, नफ्टी 100 और बी.एस.ई. 100 को ट्रैक किया जाता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/all-you-wanted-to-know-about-exchange-traded-funds>